जापानी उपग्रह गुम हो गया है

जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा ने फरवरी में एक उपग्रह अंतरिक्ष में भेजा था। हितोमी नाम का यह उपग्रह कई मायनों में काफी विशिष्ट था। इसे अपनी कक्षा में पहुंचकर 26 मार्च के दिन पृथ्वी से संपर्क स्थापित करना था मगर ऐसा नहीं हुआ। इसलिए मान लिया गया कि हितोमी गुम हो गया है। मगर ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार उम्मीद बाकी है।

जब हितोमी पृथ्वी से संपर्क करने में असफल रहा, उसके कुछ ही समय बाद यूएस के संयुक्त अंतरिक्ष संचालन केंद्र ने रिपोर्ट दी कि उपग्रह के आसपास मलबे के पांच टुकड़े देखे गए हैं। इसके आधार पर मान लिया गया कि हितोमी बिखर गया है। मगर 28 मार्च के दिन अचानक हितोमी से कुछ संकेत प्राप्त हुए और जापानी वैज्ञानिकों का मत है कि उपग्रह अभी ज़िंदा है और जल्दी ही उपयुक्त ढंग से काम करने लगेगा।

जापानी वैज्ञानिकों को लगता है कि हितोमी के दिशा-निर्धारक उपकरण में कुछ गड़बड़ी आ गई होगी जिसकी वजह से वह सही दिशा में उन्मुख नहीं है और इसी कारण से उसकी बैटरी ठप हो गई है। जल्दी ही इस समस्या को दुरुस्त कर लिया जाएगा। जहां तक मलबे का सवाल है, तो वह उसकी सतह से गिरी कुछ पपड़ियां ही हैं।

हितोमी का काम यह था कि ब्रह्मांड को एक्स-रे की मदद से देखेगा। यानी वह प्रकाश की मदद से नहीं बल्कि एक्स-रे की मदद से आकाशीय पिंडों के विश्लेषण में मदद करने के लिए बनाया गया है। इस तरह के अवलोकन से ब्लैक होल्स की उत्पत्ति, कॉस्मिक किरणों की उत्पत्ति वगैरह जैसी घटनाओं का अन्वेषण किया जा सकता है।

जाक्सा का कहना है कि अभी भी पूरी संभावना है कि हितोमी की बहाली हो जाएगी, हालांकि यह आसान नहीं होगा और इसमें काफी समय भी लग सकता है। हार्वर्ड स्मिथसोनियन सेंटर फॉर एस्ट्रोफिज़िक्स के जोनाथन मेकडोवेल का कहना है कि हितोमी का गुम हो जाना एक बड़ा नुकसान होगा क्योंकि संपर्क टूटने से पहले यह उम्दा तस्वीरें भेज रहा था। ***(स्रोत फीचर्स)***